

逃げずに見つめる

尾道市立長江中学校

第3学年 青柳 智紗乃

「遊あそびにあそぶに見まつめる

長江ナガエ中チュウ学ガク校コウ 三年ニシウ 春ハル柳ヤナギ 智チ紗サ乃ノ 女メ

もう二度と動うごかないらしい祖おじい父ちやうの姿すがたを見て

も「不思議ふしぎと涙なみだは出てこたか？ た。初はじめてめて直ただ

面おもてしたつ死しは想像ぞうぞうよりもふわわしていて

六ヶ月ろくがつ経へつた今いまでも実じつ感かんできているのか分か

らないう。

とんたの間までも必ず死しぬと知しつたのはいつ

だ？ ただろうか。母はは方の祖おじい父ちやうは私わたしが一いち歳の時とき

には末期まごころがんと診しん断だんされていた。それを教しえ

られたのは小学しょうがく四年にんねん生せいの時ときだ。当時たうじまた

小さかつた二人ふたりの妹いもうとが無む邪じゃ氣きに祖おじい父ちやうに抱かかっ

やおんぶをせかむのを見て「無む性じやうに腹はらが立たっ

た事を覚しるえている。また私わたしは「お？」と前まへから

病やま氣がのこことを知しっているはずの周まわりの大人おとなは

ちが「何も氣きにしないう様子ようすで祖おじい父ちやうに接あす

る姿すがたが信しんじられなかつた。どうして受け入れ

られたのかを尋たずねたくてたまらない。おちこち

たい能力のうりき度どを取とってしまいう自分おれが嫌きらいだ。た。し

かし「大好きだいじやうな祖おじい父ちやうがいなくなると言葉ことばにす

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|---|----|----|----|---|----|----|----|----|--|--|----|---|----|----|----|----|----|---|---|
| 抱 | く | よ | て | の | た | 大 | た | り | 県 | | | け | な | の | は | 毎 | る | | に | れ |
| き | な | う | 見 | 祖 | め | な | 。私 | ！ | へ | | | 入 | く | 間 | 私 | 日 | 。が | | 出 | ば |
| 上 | ？ | な | ぬ | 父 | に | 畑 | が | と | 行 | | | れ | な | 家 | た | 家 | | す | さ | |
| げ | ？ | な | 振 | と | い | で | お | も | ？ | | | た | ？ | 庭 | ち | 庭 | | こ | ら | |
| な | ？ | 気 | り | 重 | い | 作 | 世 | 充 | た | | | 註 | ？ | 菜 | 姉 | 園 | | と | に | |
| く | ？ | が | を | な | ？ | 業 | 話 | 実 | 。二 | | | 釈 | ？ | の | 妹 | の | | は | そ | |
| な | ？ | し | し | ？ | と | を | に | し | 。三 | | | た | ？ | 世 | や | 世 | | で | の | |
| ？ | ？ | た | て | た | 見 | し | な | て | 。日 | | | 。一 | ？ | 話 | 大 | を | | き | 時 | |
| た | ？ | 。話 | い | 。そ | て | お | ？ | お | 目 | | | 私 | ？ | し | 人 | 。千 | | な | が | |
| の | ？ | れる | た | の | い | ら | た | れ | は | | | ほ | ？ | 。趣 | 分 | 。リ | | か | 早 | |
| は | ？ | 度 | 変 | 瞬 | と | る | 民 | る | 民 | | | そ | ？ | 味 | の | の | | ？ | く | |
| な | ？ | に | 化 | 間 | ！ | 。手 | 泊 | 。手 | 泊 | | | れ | ？ | の | 作 | リ | | た | 来 | |
| せ | ？ | 畑 | を | 。私 | 不 | 伝 | 先 | い | 体 | | | が | ？ | 。日 | 。た | 。A | | 。。 | そ | |
| か | ？ | の | 突 | は | 意 | を | の | を | 験 | | | 祖 | ？ | 用 | 。。 | を | | 。 | う | |
| 。大 | ？ | 規 | き | 自 | に | す | 方 | こ | 学 | | | 父 | 。 | 大 | 。 | 務 | | 。 | で | |
| 人 | ？ | 模 | つ | 分 | そ | こと | は | が | 習 | | | の | 。 | 工 | め | | | 。 | 。 | |
| だ | ？ | が | け | が | の | が | 毎 | で | が | | | 荷 | 。 | で | 。 | | | | 。 | |
| け | ？ | 小 | ら | 見 | 姿 | き | 日 | き | 。 | | | 立 | ？ | | | | | | 。 | |
| で | ？ | す | れた | 見 | が | 。 | な | 。 | あ | | | ち | ？ | | | | | | 。 | |
| | ？ | 。 | 。 | 。 | 昔 | 。 | 。 | 。 | | | | は | ？ | | | | | | | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 四 | 年 | 前 | の | 母 | に | 近 | い | 表 | 情 | を | し | て | い | た | か | も | し | れ | な | |
| い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い | い |
| 人 | は | 必 | ず | 死 | ぬ | 。 | そ | の | 事 | 実 | か | ら | は | ど | う | し | た | 。 | | |
| こ | の | 逃 | げ | ら | れ | な | い | 。 | そ | れ | を | 頭 | だ | け | て | い | な | く | い | で |
| 解 | す | る | に | は | 。 | た | く | さ | ん | の | 周 | り | の | 死 | を | 見 | つ | め | | |
| 受 | け | 入 | れ | る | 長 | い | 時 | 間 | が | 必 | 要 | な | の | だ | と | 思 | う | 。 | そ | |
| う | し | て | 自 | 分 | の | 死 | ま | じ | の | 時 | 間 | を | 大 | 切 | に | で | き | る | 人 | |
| に | 私 | は | な | り | た | い | 。 | 周 | り | の | 大 | 人 | た | ち | も | 。 | き | ？ | と | |
| 何 | 度 | も | 死 | を | 乗 | り | 越 | え | て | き | た | の | だ | と | 思 | う | 。 | | | |
| 祖 | 父 | の | 葬 | 儀 | の | 後 | 。 | 今 | で | は | ほ | ぼ | 作 | 物 | を | つ | く | ？ | | |
| こ | い | な | い | 家 | 庭 | 菜 | 園 | に | 久 | し | ぶ | し | に | 足 | を | 踏 | み | 入 | れ | |
| た | 。 | 幼 | い | 頃 | 自 | 分 | の | 皆 | ま | り | も | 高 | い | 野 | 菜 | で | 見 | え | な | |
| か | ？ | た | 。 | 畑 | の | 大 | き | さ | が | 分 | か | る | よ | う | に | な | ？ | た | 自 | |
| 分 | に | も | 逃 | げ | ら | れ | て | 見 | え | て | い | な | い | 何 | か | が | 沢 | 山 | あ | |
| の | だ | ら | う | 。 | 今 | の | 私 | に | は | 逃 | げ | ず | に | そ | れ | ら | を | 見 | に | |
| 行 | く | 勇 | 気 | が | あ | る | は | ず | だ | 。 | 死 | ぬ | ま | そ | の | 間 | に | 私 | の | |
| 世 | 界 | が | ど | れ | だ | け | 広 | がる | か | 。 | 自 | 分 | に | 正 | 直 | に | 。 | 向 | | |
| き | 合 | い | 続 | け | て | い | き | た | い | 。 | | | | | | | | | | |

指導者の言葉

本校では、「思考力・判断力・表現力を育成する手立ての工夫」を研究主題として、3グループによる授業研究によって授業力の向上を図ってきた。国語科の指導では、「書くこと」の指導の中で、生徒それぞれが書いた文章を、グループで読み合ったり「ひとこと感想」を伝え合ったりする活動にも取り組んできた。

本作品は、大切な祖父との別れの経験から、人の命や「死」について感じた思いを、飾らない彼女自身の言葉で綴っている。幼かった自分が感じたことから始まり、今自分が考えていることを書き進めていく中で、自分自身の心の成長を確かめることができたように感じられる。本作品から、中学生という多感な時期の繊細な感受性が伝わってくる。また、それを表現するために彼女がどのような言葉を選び、どのように表現しているかということに、読み手が魅了される作品として仕上げる事ができている。